हिन्दी विभाग

पी.इ.एस्. महाविद्यालय मे हिन्दी की शुरुआत १९८६ में हुई। वर्तमान में विभाग में दो अध्यापक कार्यरत है। महाविद्यालय में प्रवेश करनेवाले विद्यार्थी वैकल्पिक तथा ऐच्छिक रुप में हिन्दी विषय ले सकते है। तृतीय वर्ष में हिन्दी के साथ अन्य विषय लेने की सुविधा है।

हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा है। समूचे भारतवर्ष में हिन्दी का प्रचार एवं प्रसार तीव्र गति से हुआ है। गोवा राज्य में हिन्दी जानने और समझने वालों की संख्या ब्डी मात्रा में है। विद्यार्थियों के लिए हिन्दी विषय करीय्र की दृष्टी से उपयोगी साबित हो सकता है। हिन्दी अध्यापकों की आवश्यकता समग्र भारत देश में है। हिन्दी अध्यापकों के अनेक पद है जहां हिन्दी विषय पढानेवालों की आवश्यकता है। इसके अलावा हिन्दी अनुवादक की आवश्यकता अनेकानेक प्रशासनीक कार्यालयों में पडती है। सरकारी ही नहीं बल्की गैर सरकारी संगठनों में भी हिन्दी अनुवादकों की आवश्यकता है। संचार माध्यमों में हिन्दी के अच्छे जानकारों की जरुरत है। हिन्दी पत्रकारिता का क्षेत्र ब्डाही व्यापक क्षेत्र है जहां हिन्दी के विद्यार्थी अपना करीय्र कर सकते है।

हिन्दी विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास की दृष्टी से सक्रीय है। हिन्दी दिवस तथा हिन्दी सप्ताह जैसे कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय करता रहा है। हिन्दी विभाग राज्यस्तरीय तथा राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सम्मिलित हुए है। राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने प्रपत्र भी अध्यापकों ने प्रस्तुत किए है।